Literacy for a Billion

Movie: Nausherwan E Adil
Year: 1957

Song: Taaro Ki Zubaa
Lyricist: Parvez Shamsi

तारों की जबाँ पर है
मोहब्बत की कहानी
तारों की जबाँ पर है
मोहब्बत की कहानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी
तारों की जबाँ पर है
मोहब्बत की कहानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी
कहते हैं जिसे चाँदनी है
नूर-ए- मोहब्बत
कहते हैं जिसे चाँदनी है
नूर-ए- मोहब्बत
तारों से सुनेहरी है
हमेशा तेरी किस्मत
तारों से सुनेहरी है
हमेशा तेरी किस्मत
जा जा के पलट आती है
फिर तेरी जवानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी
छाया हुआ दुनिया पे
मोहब्बत का असर है
छाया हुआ दुनिया पे
मोहब्बत का असर है
कहते हैं जिसे चाँद मेरा

दाग-ए-जिगर है
कहते हैं जिसे चाँद मेरा
दाग़-ए-जिगर है
तारो से कहा करता हैं
ये दिल की कहानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी
तारों की जबाँ पर है
मोहब्बत की कहानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी
हम हो न हों
दुनिया यूँ ही आबाद रहेगी
हम हों न हों
दुनिया यूँ ही आबाद रहेगी
ये ठंडी हवा
और ये फिजा याद रहेगी
ये ठंडी हवा
और ये फ़िजा याद रहेगी
रह जायेगी दुनिया में
मोहब्बत की निशानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी
तारों की जबाँ पर हैं
मोहब्बत की कहानी
ऐ चाँद मुबारक हो
तुझे रात सुहानी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.